पंजाब केसरी 13-08-2023

जी.एम.एन. कालेज में एंटी-रैगिंग पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया

अम्बाला, 12 अगस्त (कोचर): कैंट के जी.एम.एन. कालेज के एंटी-रैगिंग सेल द्वारा मनोविज्ञान विभाग और महिला सेल के सहयोग से एंटी-रैगिंग पर एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह एंटी-रैगिंग पर एक सप्ताह का उत्सव यूजीसी दिशा-निर्देशों के अनुसार किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कालेज के प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने किया।

उन्होंने विद्यार्थियों को कालेज की रैगिंग विरोधी नीति का पालन करने का निर्देश दिया और इस बात पर जोर दिया कि जी.एम.एन. कालेज में रैगिंग के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति है। उन्होंने उल्लेख किया कि किसी भी छात्र या छात्राओं द्वारा उपद्रवी या अनुशासनहीन गतिविधियों में शामिल होना, जो झुंझलाहट, कठिनाई, शारीरिक या मनोवैज्ञानिक नुकसान का कारण बनता है या होने की संभावना है या किसी नए या किसी अन्य छात्र में भय या आशंका पैदा करता है, उसे एक रैगिंग कृत्य माना जाएगा।

रैगिंग पर अंकुश लगाने के लिए कालेज परिसर को सी.सी.टी.वी. की निगरानी में रखा गया है।

डा. सीमा कंसल, एंटी रैगिंग सैल एवं महिला सैल की संयोजक ने छात्रों को अपने संबोधन में उच्च शिक्षण संस्थाओं में ऐसी गतिविधियों में शामिल होने के कानूनी परिणामों के बारे में बताया। उन्होंने यह भी दोहराया कि जो कोई भी सक्रिय या निष्क्रिय रूप से रैगिंग को बढ़ावा देने की साजिश का हिस्सा है, वह दंडित किया जा सकता है।

मनोविज्ञान विभाग से डा. अनुपमा सिहाग ने छात्रों को बताया कि रैगिंग का विद्यार्थियों पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की रैगिंग में शामिल न होने और संस्थान को रैगिंग मुक्त बनाने के लिए प्रेरित किया। ओरिएंटेशन कार्यक्रम में लगभग 81 छात्रों ने भाग लिया।

इस मौके पर डा. नियति ने मंच संभाला और डा. अनुराधा, डा. अमित, डा. राकेश, डा. एस.एस. कुंडू, डा. सरोज व डा. नीना भी मौजूद रहीं।

कार्यक्रम के दौरान जानकारी देते कालेज प्राचार्य एवं अन्य शिक्षक। (चंद्रमोहन)